University in News on 09 January 2020

AMAR UJALA-MY CITY

परास्नातक में अब पूरी तरह से लागू होगा सीबीसीएस

लविवि : मूक्स के साथ ही अन्य विभागों के कोर्स भी ले सकेंगे विद्यार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मे परास्नातक स्तर पर अब पूरी तरह से 'चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' (सीबीसीएस) लागू होगा। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्षों की बैठक में यह फैसला किया गया। परास्नातक स्तर पर अब सभी विभागों में सीबीसीएस लागू होगा। अभी तक सिर्फ एमबीए और विज्ञान संकाय में ही यह व्यवस्था लागू थी। पूरी तरह से सीबीसीएस लागू होने के बाद परास्नातक विद्यार्थी विकल्प के रूप में अन्य विषयों के साथ ही मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) से भी पढ़ाई कर पाएंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विद्यार्थियों को उनके मुख्य विषय के साथ ही अन्य विषयों का ज्ञान देने की नीयत से सभी विश्वविद्यालयों को सेमेस्टर प्रणाली के और सीबीसीएस लागू करने का निर्देश दिया है। इसमें विद्यार्थियों को अपने विषय से अलग एक वैकल्पिक विषय लेने की सुविधा मिलती है। इस तरह से विज्ञान वर्ग का विद्यार्थी कला और कला वर्ग का विद्यार्थी किसी अन्य वर्ग का विषय भी ले सकता है। विवि ने परास्नातक स्तर पर सीबीसीएस आधा-अधूरा लागू किया गया था। मौजूदा व्यवस्था में विज्ञान संकाय के सभी विभाग ने हर सेमेस्टर में सीबीसीएस के विकल्प के रूप में

पांच यूनिट में होगा सिलेबस

लविवि कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों को उनके यहां का पाठ्यक्रम पांच यूनिट में करने को कहा है। अभी तक सिलेबस चार यूनिट में ही होता था। नये सिलेबस में हर टॉपिक के लिए निर्धारित क्रेडिट, उसके लिए निर्धारित घंटे की पढ़ाई का ब्यौरा भी देना होगा। माना जा रहा है। पूरी तरह से सीबीसीएस लागू होने के बाद विवि प्रशासन उपस्थिति को अनिवार्यता रख सकता है क्योंकि पढ़ाई के घंटे के लिए भी क्रेडिट निर्धारित किये जाते हैं।

सिर्फ एक-एक पेपर ही निर्धारित किया है। विद्यार्थी को इन्हीं में से अपना विकल्प चुनना है। इस तरह से विज्ञान वर्ग के स्टूडेंट चॉयस के रूप में सिर्फ विज्ञान संकाय केविषय ही ले सकते हैं। वहीं एमबीए विभाग में विकल्प के रूप में सिर्फ दो पेपर ही उपलब्ध हैं। ऐसे में दोनों विभाग सिर्फ नाम के लिए ही विकल्प की सुविधा दे रहे हैं। कला, विधि, और शिक्षा संकाय में तो इसकी शुरुआत तक नहीं की गई थी। अब इसे पूरी तरह से लागू किया जा रहा है।

नैक के हिसाब से सिलेबस

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सीबीसीएस लागू करने के साथ ही नैक की तैयारियों के लिए एक कदम और बढ़ा दिया है। बैठक में सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने यहां चलने वाले कोर्स तथा प्रोग्राम का आउटकम भी लिखें। इसमें तीन बातें बतानी होंगी। इसमें विभागों को बताना होगा कि उनके यहां के कोर्स का आउटकम क्या है, मतलत उसे पढ़ने के बाद विद्यार्थी क्या सीख सकेगा। इसी तरह प्रोग्राम आउटकम भी बताना होगा। प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम में बताना होगा कि अन्य संस्थानों में चल रहे उसी तरह के कोर्स से उनका कोर्स किस तरह से अलग है। नैक के प्रोफॉर्मा में भी इसी तरह की सूचना भरनी होती हैं। इसलिए माना जा रहा है सिलेबस में बदलाव के बाद लविवि एक नैक की दिशा मे आगे बढ़ेगा।

ऑनर्स पाठ्यक्रम की चर्चा

बैठक के दौरान विवि में स्नातक स्तर पर सिर्फ ऑनर्स पाठ्यक्रम संचालित करने पर भी चर्चा हुई। प्रस्ताव दिया गया कि संख्या ज्यादा होने की वजह से विवि और कॉलेजों में एक साथ बदलाव करना संभव नहीं होता है। इसलिए परिसर में सिर्फ ऑनर्स पाठ्यक्रम ही चलाये जाएं। जबकि कॉलेजों में पहले की तरह सामान्य स्नातक पाठ्यक्रम। विवि की परीक्षा भी अलग से कराने का प्रस्ताव भी दिया गया। हालांकि इन प्रस्तावों पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया।

माध्यमिक स्कूलों में पढ़ाएंगे लविवि के छात्र

विश्वविद्यालय का शिक्षा संकाय माध्यमिक शिक्षा विभाग के साथ मिलकर करेगा काम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय राजधानी के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करेगा। विवि के बीएड अंतिम वर्ष के छात्र अब स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे। विवि का शिक्षा संकाय माध्यमिक विभाग के साथ काम करने की योजना बना रहा है। राजधानी के स्कूलों में इस समय शिक्षकों के काफी पद रिक्त हैं।

शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीएड के अंतिम सेमेस्टर में सभी विद्यार्थियों को इंटर्नशिप करनी होती है। ज्यादातर विद्यार्थी परिषदीय विद्यालयों में जाकर ही इंटर्नशिप करते हैं। परिषदीय विद्यालयों की अपेक्षा माध्यमिक विद्यालयों विशेषक अनुदानित विद्यालयों में शिक्षकों के काफी पद खाली हैं। इसे देखते हुए परिषदीय के बजाय माध्यमिक विद्यालयों में इंटर्नशिप कराने की योजना तैयार की गई है। इसके तहत इंटर्नशिप के लिए विद्यार्थी माध्यमिक विद्यालयों में विभिन्न विषय पढ़ाएंगे।

अब परिषदीय के बजाय माध्यमिक विद्यालयों में इंटर्नशिप करेंगे बीएड अंतिम वर्ष के छात्र

सामाजिक जिम्मेदारी के तहत प्रयास

लविवि ने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत यह प्रयास शुरू किया है। माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के पद खाली होने की वजह से वहां की पढ़ाई प्रभावित होती है। इसको ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। बीएड विद्यार्थी वहां पर बच्चों को पढ़ाएंगे। इस तरह से उनका प्रशिक्षण तथा बच्चों की पढ़ाई दोनों हो सकेंगे।

- प्रो. अमिता बाजपेयी,
संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय लविवि

डीआईओएस उपलब्ध कराएंगे खाली पदों का ब्योरा

डॉ. बाजपेयी ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश सिंह से भी बात की गई है। उन्होंने माध्यमिक विद्यालयों में खाली चल रहे विषयवार पदों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। इसी के आधार पर छात्रों की ड्यूटी लगाई जाएगी। बीएड में विभिन्न विषयों के विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। डीआईओएस से मिले ब्योरे के आधार पर देखा जाएगा कि किन विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी।

पढ़ाई के स्तर पर मिलेंगे नंबर

इंटर्नशिप के लिए जाने वाले छात्रों को नंबर भी दिए जाते हैं। ये नंबर उनके द्वारा पढ़ाए गए विषय के बच्चों का स्तर देखकर दिए जाएंगे। ऐसे में छात्रों का भी प्रयास होगा कि बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाएं।

NAVBHARAT TIMES

एलयू के पीजी कोर्सों में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम

वीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बनी सहमति

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के सभी कोर्सों में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) से पढ़ाई होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सभी डीन और विभागाध्यक्षों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। वीसी ने विभागों के हेड को 16 जनवरी तक पीजी कोर्सों का सिलेबस सीबीसीएस की तर्ज पर तैयार करने का निर्देश दिया है, जिससे नए सत्र से इस व्यवस्था को लागू किया जा सके।

मूक्स के जरिए भी पढ़ाई

विवि के प्रवक्ता संजय मेधावी ने बताया कि पीजी के सभी कोर्स में इसकी शुरुआत की जाएगी। इसमें स्टूडेंट्स को इंट्रा डिपार्टमेंटल ऐच्छिक कोर्स पढ़ने का विकल्प दिया जाएगा। कुछ कोर्सों की पढ़ाई अध्ययन मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक्स) के जरिए की जा सकेगी। इसके अनुसार किसी कोर्स में आठ पेपर हैं और छात्र ने सात पेपर एलयू से पढ़ लिए हैं तो वह यूजीसी के मूक्स से आठवें पेपर की पढ़ाई कर सकेगा। उसके अंक एलयू में जोड़ लिया जाएगा।

पांच यूनिट का तैयार करना होगा कोर्स

बैठक में तय हुआ है कि पीजी के जिन कोर्सों में सीबीसीएस लागू किया जाएगा, उनका कोर्स पांच यूनिट में तैयार करना होगा। अभी तक चार यूनिट का कोर्स होता है।